VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
JP 1ST AUG 2022
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	Sukh Ram		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	370763
Center	Jaipur	Date	16/08/2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

VisionIAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

VisionIAS

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. **(150 words) 10**

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकारिता उच्चतम मानवीय मूल्य है जिसमें परदुखकातरता, करुणा, समानुभूति जैसे नैतिक मूल्य भी शामिल होते हैं। परोपकारिता हमें दूसरों के कल्याण के लिए प्रेरित करती है।

→ **परोपकारिता: सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्य**

(i) यह लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा को साकार करती है।

(ii) सार्वजनिक जीवन को संतोषप्रद व आनंदमयी बनाती है

eg. देने का सुख - शिवदीप वामन लांडे (IPS) अपनी सैलरी का 70% दान करते हैं।

(iii) यह मानवता जैसे अद्वितीय मूल्य को परिपोषित करती है।

eg. गांधी जी की परोपकारिता नीति।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) यह निस्वार्थमिकता को बढ़ावा देती है तथा आय असमानता को कम करती है

बिल गेट्स - 1.6 लाख करोड़ ₹ दान करेंगे

अडानी - 60,000 करोड़ दान करेंगे।

→ लोक सेवा में परोपकारिता समावेशित करने के लिए

(a) प्रशिक्षण स्तर पर - हमारी वैदिक ऋचाओं के मूल्यों - 'दीनेन तुल्यो विधिसत्ति नान्यो' व 'परोपकाराय जीवनं यो जीवति, स जीवति' का समावेशन।

(b) गैर आर्थिक मूल्यों के लिए इंडक्शन विधि से प्रशिक्षण।

(c) संवैधानिक नैतिकता को सिखाया जाये।

(d) परोपकार के फलों को लोक सेवकों के समक्ष उदाहरण सहित प्रस्तुत किया जाये।

अत: परोपकार मानवीय कल्याण, नैतिकता, सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय व लोक सेवा की नैतिकता के लिए अत्यावश्यक है

VisionIAS

1. (b) Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. **(150 words) 10**

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

स्वामी विवेकानंद के अनुसार प्रत्येक कार्य शुभ है अगर उसके प्रति पर्याप्त शुद्धता व निष्ठा रखी जाये। वहीं कुछ कार्य प्रत्यक्ष रूप से अच्छे न होकर कुछ मानदण्डों के आधार पर वे न्यायसंगत होते हैं।

→ जैसे झूठ बोलना - अगर किसी व्यक्ति की जान बचाने के लिए झूठ बोलना सही हो सकता है भले ही अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें।

→ आपद धर्म में सत्य को दबाना भी सही हो सकता है।

eg. सांप्रदायिक दंगों में यह झूठ बोलकर शांत करना कि दंगा फैलाने वालों व धार्मिक असहिष्णु लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ किसी दुर्घटना स्थल के मरीज को ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर अस्पताल पहुँचाना अच्छा कार्य होता है।

→ समाज की कुरीति को अतार्किक होने के आधार पर चुनौती देना सही कार्य होता है भले ही अधिकतम अच्छाई न सुनिश्चित करे।

eg. मैंने मेरा बाल विवाह रुकवाने के लिए सामाजिक नियमों का विरोध किया लेकिन समाज में अन्य बच्चों का बाल विवाह जारी है।

अतः इन सही कार्यों की अच्छाई मूलतः उन कार्यों के मानदण्डों में निहित होती है जो इनकी न्यायसंगतता, युक्तिसंगतता, नैतिकता, सदाचारिता, न्यायपरकता सुनिश्चित करती है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. **(150 words) 10**

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

भारत में पुलिस व्यवस्था कई नैतिक चुनौतियों का सामना कर रही है -

(i) कम वेतन पर जीवन यापन या फिर रिश्वत खोरी से धनार्जन किया जाये।

(ii) निधि के आसन को बनाए रखा जाये या अवैध कार्यों को मौद्रिक लाभ के आधार पर बना रहने दिया जाये।

(iii) मादक द्रव्यों की तस्करी को पकड़ा जाये या अवैध कार्यों में लिप्त होकर कमीशन वसूला जाये।

(iv) संवैधानिक नैतिकता को आदर्श माने या राजनेता के कहने पर अपराधी को छोड़ दिया जाये

(v) लोक कल्याण पर बल या स्व कल्याण पर बल

(vi) कोलोनियल मानसिकता से कैसे उबरा जाये

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Q. पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण

(a) कम वेतनमान, बुनियादी सुविधाओं का अभाव।

(b) 18 घंटे का काम का बोझ

(c) विभाग मजबूतीकरण की बढ़ती लालसा।

(d) पुलिस चौकियों के स्तर पर पुलिस के पास वाहन, आवश्यक हथियारों का अभाव।

(e) पुलिस बलों में राजनीतिक हस्तक्षेप

(f) राजनीतिक तत्वों के आधार पर पुलिस को अनैतिक कार्यों - मादक द्रव्यों के तस्करों को छोड़ने का दबाव।

(g) पुलिस बलों में सेवा भावना, कर्तव्य भावना, संवैधानिक नैतिकता का अभाव।

अतः पुलिस बलों में पारंपरिक, नैतिक, वैदिक मूल्यों सत्यनिष्ठा, सदाचार, ईमानदारी का समावेशन किया जाना चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. **(150 words) 10**

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस से आशय कंपनी जिन नियमों, उपनियमों, आदेशों, कर्तव्यों से निर्देशित होती है उनमें नैतिकता का समावेशन होना है।

Eg. IBM का मंदिर जीर्णोद्धार प्रोजेक्ट

* **नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस**

(i) इससे कंपनी में नैतिकता का तत्व समाविष्ट होता है।

(ii) कंपनी जनकल्याण के लिए प्रेरित होती है।

Eg. CSR अवधारणा

(iii) लोगों की स्थितियों को समझकर कंपनी भावना (spirit) के स्तर पर सेवाएँ प्रदान करती है।

Eg. USA की NIKE कंपनी ने प्रदूषण को समझकर अपने उत्पादों का पुनर्चक्रण किया।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) कंपनी अपने बोर्ड प्रशासन में 'नैतिक आयुक्त' जैसे पद का सृजन करने का भी प्रयास कर सकती है।

(v) नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस अपने उद्देश्य में केवल लाभ के बजाय 'सर्वजन हिताय' पर बल देती है।

(vi) इस कार्य में कंपनी अपने छोटे शेयरधारकों का भी सम्मान करती है।

(vii) नैतिक गवर्नेंस कंपनी को त्रिपल बॉटमलाइन एप्रोच –

के लिए तैयार करती है।

अतः भावना व संरचना एक निगम की नैतिकता को पुष्ट करते है जिसके उदाहरणों में इंफोसिस, TCS आदि को रखा जा सकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. **(150 words) 10**

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

नैतिक आचरण व सुशासन किसी भी राष्ट्र की प्रशासनिक सेवा के आधारभूत मूल्य होते है जो उस देश में प्रशासनिक नैतिकता, सार्वजनिक नैतिकता को प्रमोट करते है।

→ नैतिक आचरण व सुशासन में लोक सेवक

(i) लोकसेवक निस्वार्थ निष्ठता, सत्यनिष्ठा, न्यायनिष्ठा, जवाबदेहिता, पक्षपात हीनता को सर्वोपरि रखते है।

(ii) इसके लिए लोक सेवक 'सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण' रखकर नैतिक आचरण को प्रोत्साहन देते है।

Ex IPS किरण बेदी ने तिहाड़ जेल को सुधारा

(iii) लोक सेवक जवाबदेही व पारदर्शिता को बढ़ावा देते

Eg तमिलनाडु के IAS सगायम (Sagayam) ने अपनी संपत्ति को वेबसाइट पर डाला।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ नैतिक आचरण व सुशासन में नागरिक

(i) ये सोशल ऑडिटिंग के माध्यम से सरकारी योजनाओं की दक्षता बढ़ा सकते हैं।

(ii) भ्रष्टाचार को रोकने के लिए नागरिक सक्रियता के साथ प्रशासन से जवाब-तलब कर सकते हैं।

(iii) नागरिक RTI के माध्यम से प्रशासन में नैतिक आचरण व सुशासन की नींव मजबूत कर सकते हैं। जैसे- आदर्श सोसायटी घोटाला

(iv) टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके नागरिक सार्वजनिक अनियमितता, सार्वजनिक संपत्ति का दुरुपयोग रोक सकते हैं।

इस प्रकार, नैतिक आचरण व सुशासन में लोकसेवक तथा नागरिकों की भागीदारी बेहद महत्त्वपूर्ण है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. **(150 words) 10**

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभगिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

भारतीय लोक प्रशासन को अदक्ष, अकर्मण्य, अकुशल, संवेदनहीन व गरीब विरोधी की संज्ञा से अलघ समिति, N.C. सक्सेना समिति आदि ने संदर्भित किया है

→ भारतीय लोक प्रशासन : एकांकी कार्य संस्कृति

(i) लोक प्रशासन मे नवीन विचारों का अभाव

(ii) रूल बुक ब्यूरोक्रेसी पर अधिक बल जिससे नैतिकता, सार्वजनिक सेवा प्रभावित होती है

(iii) रोल बेस्ड (Based) ब्यूरोक्रेसी का अभाव

(iv) सामान्यत: एक ही प्रक्रिया को ढोते रहना तथा सुधार के लिए सरकार को सिफारिश न करना।

(v) फील्ड के बजाय फाइल्स पर बल देने की प्रथा।

→ कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय, सहभागिता

– इसके लिए केन्द्र - राज्य - PRIs & ULBs

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के सभी स्तरों पर लोक सेवा में सहयोग को बढ़ावा देना होगा।

→ नागरिकों की प्रशासन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

● Eg. IAS निशांत जैन - मिशन संवाद पहल

→ कुछ राज्यों की बेहतर प्रशासनिक प्रणाली का अनुसरण करना।

Eg. राज. सरकार के प्रशासन ने जन कल्याण पोर्टल व जनसूचना पोर्टल से लोक सेवा की कार्य संस्कृति को परिवर्तित किया।

→ जनता को विभिन्न मुद्दों पर राय देने के लिए शामिल करना भी प्रशासन, लोक सेवा की एकाकी कार्य संस्कृति को सुधार सकते हैं।

Eg. mygov.in

अतः एकाकी कार्य संस्कृति लोक सेवा के संवैधानिक उद्देश्य को डिफीट करती है। इसलिए इसे कुशल, सुशासित व शुचिता युक्त बनाने पर बल देना होगा।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमता (E.I.) अपने व अन्यों के विचारों, भावनाओं को समझना व उन्हें नियंत्रित कर उपयोग करना है

→ E.I. :- लोकसेवक के लिए आवश्यक साधन

(i) इससे लोक सेवक विभिन्न गुटों से एक साथ जूझ सकता है

(ii) भिन्न-2 विचारों के उच्चस्थों व अधीनस्थों, लोगों से डील कर सकता है

(iii) इससे वह प्रशासन में अन्तर्वैयक्तिक संबंधों को बेहतर कर सकता है

(iv) उसकी उत्तरदायित्व लेने की तत्परता में वृद्धि होती है

लेकिन इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है-

(i) एक लोक सेवक जनता की भावना को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समझकर उसे नियंत्रित कर सकता है

(b) वह नियंत्रित भावनाओं का उपयोग अपने हित के लिए कर सकता है।

(c) एक लोक सेवक भावनाओं को नियंत्रित कर उन्हें विपरीत व्यवहार के लिए भी प्रेरित कर सकता है।

Ex. भूमि पुत्र की अवधारणा के आधार पर एक लोक सेवक जनता को अपने हितों के विरुद्ध उकसा सकता है।

(d) वह भावनाओं के नियंत्रण से अपना बचाव कर जनता को मूर्ख बना सकता है - जर्मनी का शासक हिटलर

(e) Ex NSE CEO चित्रा रामकृष्ण को हिमालयन योगी नामक कर्मी ने उसके हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

अतः संवैधानिक, प्रशासनिक, सांगठनिक नैतिकता के आधार पर ही G.I. का प्रयोग हो।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभाषी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

'सामाजिक प्रभाव' में एक व्यक्ति, समुदाय अन्य व्यक्ति, समुदायों को भी प्रभावित कर उन्हें अभिवृत्तात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करता है

eg. फिल्म एक्टर्स ने कोविड के समय मास्क प्रयोग के लिए जनता को प्रेरित किया।

सामाजिक प्रभाव: विरोधाभाषी अवधारणा

(A) सकारात्मक प्रभाव के लिए

(i) कोई क्रिकेटर्स संकट में सहायता के लिए लोगों को प्रेरित करता है।
eg. Covid के समय तेंदुलकर ने किया।

(ii) कोई राजनेता जनता को अन्याय के विरुद्ध लड़ने के लिए प्रभावित कर सकता है
eg. गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम के समय किया

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) अमिताभ बच्चन ने ODF के लिए जनता को प्रेरित किया।

⇒ सामाजिक प्रभाव: अशुभ के लिए भी स्रोत

(a) एक आतंकवादी सामाजिक प्रभाव का प्रयोग आतंक फैलाने के लिए करता है

Eg. जैश-ए-मोहम्मद का सरगना ने किया

(b) इसका प्रयोग अनावश्यक हिंसा के लिए

Eg. इराक-इरान युद्ध में सद्दाम हुसैन

(c) फिल्म में अभिनेता का विशेष अंदाज में तम्बाकू सेवन उनके फॉलोवर्स पर प्रभाव डाल सकता है।

(d) एक प्रशासक अपने सामाजिक प्रभाव से किसी के चरित्र की हत्या के लिए भी कर सकता है

आजकल की '# कल्चर'

अतः व्यापक नैतिक हित में यही है कि सामाजिक प्रभाव का प्रयोग सर्वहित के लिए हो।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.
(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

भारत में सार्वजनिक सेवा वितरण प्राय: अक्षम, अलक्षित व दोषयुक्त है जिसमें विलंबता, गुणवत्ता प्रमाणन का अभाव आदि शामिल है।

→ **प्रभावी सेवा वितरण : सार्वजनिक कार्यालय**

(i) डाक विभाग का सेवोत्तम मॉडल
(ii) पासपोर्ट कार्यालय की प्रतिबद्ध सेवाएँ
(iii) नीति आयोग का विजनरी दृष्टिकोण

इसके लिए **जन केन्द्रित दृष्टिकोण**-

(a) सार्वजनिक सेवा वितरण का उद्देश्य जनकल्याण हो।
(b) प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली हो।
(c) पर्याप्त फीडबैक प्रक्रिया
(d) जनता - सार्वजनिक कार्यालय में दूरियां मिटे।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण: समन्वय व प्रौद्योगिकी :-

(i) सार्वजनिक कार्यालय कुछ सेवाओं की आउटसोर्सिंग करें।

(ii) विभिन्न विभागों में समन्वय स्थापित करें eg. सड़क परिवहन मंत्रालय, अर्बन मंत्रालय मिलकर 'स्मार्ट परिवहन' 'स्मार्ट सिटी' के लिए काम करें।

(iii) प्रौद्योगिकी- कम्प्यूटरीकरण, डिजिटलीकरण तथा Drone (पूर्वोत्तर) में, Ropway आदि का सेवा वितरण में प्रयोग।

(iv) सोशल मीडिया से प्रशासन के अग्रिम लक्ष्यों से जनता को अवगत कराकर प्रभावी सहयोग से सार्वजनिक सेवा डिलीवरी देना।

अत: लोकतांत्रिक नैतिकता की सिद्धि वस्तुत: प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण पर ही केन्द्रित है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. **(150 words) 10**

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य भारत के महान शिक्षक, इस्त्रीतिज्ञ थे जिन्होंने अपने समय के मौर्य प्रशासन की नैतिकता के लिए कई सूत्र प्रदान किये।

कौटिल्य शिक्षा : लोक सेवा के लिए प्रासंगिक

(i) चाणक्य ने लोक सेवा में नैतिक मूल्यों के समावेशन की वकालत की। आज के समय में भ्रष्टाचार, दुराचार से निपटने में प्रभावी है।
  eg. IAS दंपति द्वारा खेल ट्रैक यूज करना
  IAS पूजा सिंघल - 20 करोड़ संपत्ति।

(ii) लोक सेवा में कदाचार करने वाले लोक सेवकों को दण्ड देने का प्रावधान किया।
  वर्तमान में पदीय दुरुपयोग, IRS अफसरों में से कुछ कर चोरी में संलिप्त होते हैं उनके खिलाफ कार्रवाई।

(iii) उन्होंने कदाचार सिद्ध हो चुके लोक सेवकों

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को धनेशाकि लिए सेवा से बाहर करने की वकालात की

Eg. नास्त्यपकारिणो मोक्ष इति कौटिल्यम्

(iv) उन्होंने लोक सेवकों का प्रधान हित लोकहित माना जो आज के समय में बेहद प्रासंगिक है

Eg. प्रजानां च हिते हितम्

(v) उन्होंने लोकसेवकों को जनता के सुख में वृद्धि करने में अपना योगदान देने की बात कही।

Eg. प्रजा सुखे सुखं राजः

अतः आज की लोकसेवा कौटिल्य की शिक्षाओं के आधार लोकहितकारी, नैतिकतावादी, लोकोन्मुख, न्यायी, सत्यनिष्ठ बन सकती है जो भारत के जनकल्याणकारी राज्य की अवधारणा को साकार कर सकती है

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela **(150 words) 10**

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।" - नेल्सन मंडेला

'खुद के लिए जिया गया जीवन कोई जीवन नहीं होता' को सारतत्व मानने वाले महान नेता नेल्सन मंडेला का यह उद्धरण हमें कई नैतिक कार्यों के लिए प्रेरित करता है

(i) परदुखकातरता - यदि हमने किसी के दुख को समझकर उसके जीवन को सँवारा है तो ही हमारे जीवन का महत्व है।

eg. बेगर्स डॉक्टर्स - डॉ. अभिजीत सोनावाने - गरीबों का मुफ्त इलाज करते हैं।

(ii) यदि सामाजिक कुरीतियों से लड़कर कोई उन्हें समाप्त कर दें तो वह आगे की पीढ़ी के लिए नया बदलाव होता है।

eg. राजाराममोहन राय ने सती की मिथ्या

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) गांधी जी ने अपने जीवन को न्योछावर कर करोड़ों भारतवासियों का जीवन स्वतंत्र किया।

(iv) मण्डेला ने 27 वर्ष जेल में बिताकर अपने राष्ट्र को परतंत्रता से मुक्त किया।

(v) बिस्मार्क, पटेल ने राष्ट्रों का पुनर्गठन कर अन्यों के जीवन को आसान बनाया।

(vi) मदर टेरेसा, रोन्डा बर्न, डेसमंड टूटू, रोजा पार्क्स आदि ने स्वयं के बजाय अन्य लोगों के लिए जीवन में बदलाव के लिए कार्य किया।

(vii) एक महिला ने तीन तलाक प्रथा के विरुद्ध लड़कर करोड़ों महिलाओं का जीवन बदला।

अतः जीवन का महत्व तभी है जब वह अन्यों के जीवन में बदलाव लाने में योगदान दे सके।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. **(150 words) 10**

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

आधुनिक युग द्रष्टा, प्रेरक पुरुष स्वामी विवेकानंद का यह उद्धरण वस्तुतः हमें गीता के निष्काम कर्म, कांट के कर्त्तव्य कर्तव्या सिद्धांत के लिए प्रेरित करता है।

→ स्वामी जी के अनुसार यदि हमारा मूल राष्ट्र सेवा है तो अन्य कर्तव्य अपने आप सधते आएंगे।

→ देशभक्ति.

→ गांधी जी का मूल सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा, असहयोग था जिसके बल बूते ही वे आजादी के लिए लड़ते गए एवं अन्ततः स्वतंत्रता मिली।

→ अमेरिकी महिला नेता रोजा पार्क्स का मूल अश्वेत भेदभाव को समाप्त करना

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

था जिससे सार्वजनिक बसों सहित अन्य जगहों पर भी समता आयी।

* किसी लोक सेवक का मूल ईमानदारी है तो वह शुचिता, सत्यनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता, न्यायसंगतता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण आदि के लिए उन्मुख हो सकेगा।

* यदि किसी नेता का मूल भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो फिर गरीबी, बेरोजगारी, अकुशलता धीरे-धीरे स्वतः ही कार्यों के साथ आगे बढ़ती जाएगी।

  Eg: जापान में 1945 के विस्फोट के बाद

अतः मूल ही सही होना चाहिए जिसके सहारे सार्वजनिक नैतिकता, प्रशासनिक नैतिकता, व संवैधानिक नैतिकता को स्थापित किया जा सकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr (150 words) 10

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर

शांति वस्तुत: विस्तृत अवधारणा है जो शममूलक के बजाय आनंदमूलक शांति की वकालत करती है

Eg. भारत में जातीय पिछड़ापन को आरक्षण रूपी न्याय देकर शांति स्थापित की।

→ वास्तविक शांति: तनाव की अनुपस्थिति के अलावा न्याय की उपस्थिति भी है

(i) तनाव को सैन्य हिंसा, दमन से भी दबाया जा सकता है जो वास्तविक शांति नहीं ला सकता।

Eg. ब्रिटिश भारत में भारतीयों को दबाया गया

(ii) तनाव को कुछ प्रलोभन देकर थोड़े समय के लिए शांत किया जा सकता है

Eg. रूसी क्रांति के बाद सुधार होकर 1920s में गृह युद्ध प्रारंभ हो गया।

VisionIAS

→ इसलिए वास्तविक शांति न्याय की उपस्थिति से है

(a) भारत में राज्यों को भाषायी आधार देकर वास्तविक शांति स्थापित की गई।

(b) द० अफ्रीका में स्वतंत्रता प्रदान कर वहाँ आंग्ल-अफ्रीकी संघर्ष के स्थान पर शांति।

(c) भारत में आरक्षण देकर वंचित भावना को शांत कर शांति स्थापना।

(d) USA में अश्वेतों को 'विविधता पॉलिसी' में लाभ देकर न्याय स्थापित किया।

(e) आजाद भारत ने आदिवासियों को न्याय देकर ही ब्रिटिश अशांति को वास्तविक शांति में बदला।

अतः न्याय ही मूलाधार है जो शांति को दीर्घस्थायी बना सकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? **(20)**

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

प्रस्तुत केस स्टडी बाल अधिकारों व उनके जघन्य अपराधों में संलिप्त होने के

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परिणामस्वरूप देश की विधिक व्यवस्था के द्वन्द्व को प्रकाशित किया गया है।

→ संभावित कारक - जो बच्चे को जघन्य अपराधों के लिए प्रेरित करते है

(i) पीयर ग्रुप - बच्चा अपने पीयर ग्रुप में जो कुछ देखता है उसे खुद भी लागू करता है। ऐसा होता है कि एक पीयर ग्रुप में कुछ अवयस्क हो वहीं कुछ व्यस्क हो तब व्यस्कों के जघन्य अपराधों के प्रति उसकी भी सक्रिय व अनुकूल प्रतिक्रिया होती है।

(ii) सोशल मीडिया - बच्चा सोशल मीडिया पर तस्करों, दबंगों, गुंडों के काल्पनिक व वास्तविक कृत्य देखता है तो वह भी

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उनकी चपेट में जल्द ही आ जाता है।

- गुजरात के एक बालक ने सोशल मीडिया की स्टोरी देखकर भाई की हत्या कर दी।

(iii) **समाजीकरण का अभाव** - समाजीकरण की प्रक्रिया में पर्याप्त मूल्यों का समावेशन न किया जाना अन्य अपराधों तथा बलात्कार के लिए प्रेरित करता है।

(iv) **ऑनलाइन गेमिंग**, काल्पनिक हिट की गेमिंग को देखकर बालक वास्तविक जीवन में भी हिट करना चाहता है।

(v) सामाजिक सभारोहों में बन्दूक, पिस्तौल की सलामी जैसी अनैतिक, अविधिक प्रथाएँ भी बालक को ऐसे कृत्यों के लिए प्रेरित करती है।

- UP में एक समारोह में गोलीबारी।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ सुधार का मौका देने के बजाय व्यक्ति मानकर दण्ड देना

(i) यह गांधी जी के सिद्धांत के अनुसार अनैतिक है।

(ii) गांधी जी हमेशा सुधार के लिए कहते थे कि बुरा से बुरा व्यक्ति भी अच्छी संगति से सुधर सकता है एवं उसका हृदय परिवर्तित हो सकता है।

(iii) यह कार्य मानवता की साध्य अवधारणा के भी विरुद्ध है क्योंकि प्रथम दृष्टया सात सिद्धांतों में से एक सिद्धांत आत्म सुधार का भी है।

(iv) यह मानवाधिकार के भी विरुद्ध है क्योंकि मानवता का सार इसी में है कि पहली गलती को हमेशा क्षम्य किया जाये।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ऐसे अनैतिक, जघन्य अपराधों को रोकने के लिए।

① परिवार के स्तर - परिवार बच्चे के स्वस्थ मानसिक विकास के लिए भूमिका निभाए।

② विद्यालय - बच्चे में नैतिक शिक्षा के द्वारा नैतिक मूल्यों का समावेशन पर बल दे।

③ राज्य स्तर पर, राज्य हरला Vs स्टेट ऑफ राजस्थान के सुप्रीम कोर्ट के निर्णयानुसार कानूनों को उचित रीति से प्रसारित करे तथा अनुच्छेद 21A, 45 के तहत अपने नागरिकों के स्वस्थ विकास के लिए पहल करे।

अतः नैतिकता का तकाजा यही है कि सुधार की गुंजाइश को हमेशा तलाशा जाये तथा दण्ड अंतिम विधान हो।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

(i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

(ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

(iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

(iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

(c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

प्रस्तुत केस स्टडी में पदीय कर्तव्य में निहित अन्तर्द्वन्द्व उभारा गया है।

(a)

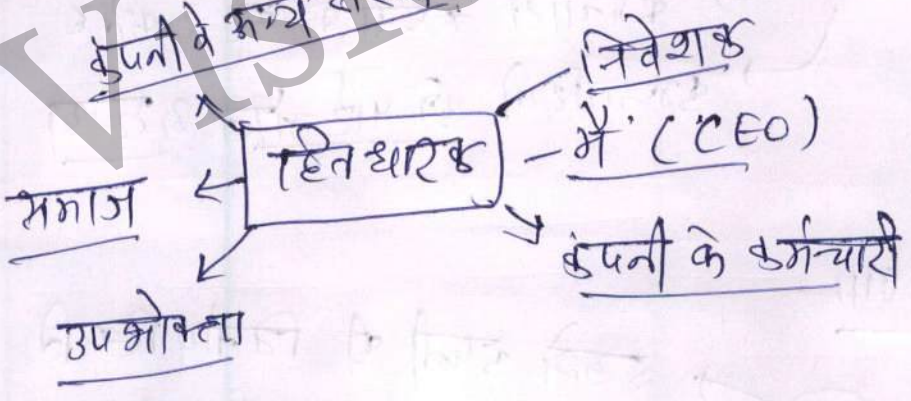

(b) विकल्प -(i)

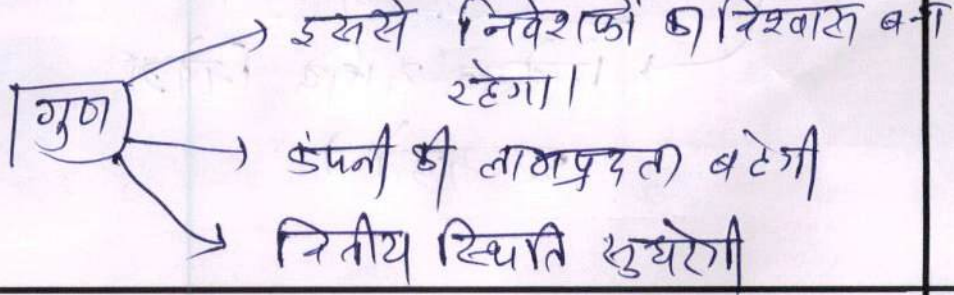

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दोष → यह घटनों को प्रोत्साहित करेगा
→ कर्मचारियों का विद्रोह, हड़ताल हो सकती है
→ इससे कंपनी की साख प्रभावित होगी

विकल्प (ii)

गुण → इससे निवेशकों की नाराजगी कम हो सकती है
→ कंपनी पर वित्तीय बोझ कम हो सकता है
→ कंपनी कुछ लाभ पर हो सकती है

दोष → निवेशक इसका विरोध कर सकते है
→ कर्मचारी हड़ताल कर सकते है
→ कर्मचारियों की पार्ट जॉब असुरक्षा

विकल्प (iii)

गुण → इससे कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी
→ निवेशकों का लाभ बढ़ेगा
→ निवेशक अधिक निवेश कर सकते है

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

दोष
- कंपनी के कार्यरत कर्मचारी भी कम उत्पादक हो सकते हैं
- कंपनी की उत्पादकता गिरने से अधिक घाटा हो सकता है
- कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा सकते हैं

विकल्प (IV)

गुण
- इससे कंपनी की दक्षता में वृद्धि होगी।
- निवेशकों की अधिक निवेश स्थिति सुधारेगा
- निवेशकों की संतुष्टि कंपनी को आगे बढ़ा सकती है

दोष
- यह व्यावहारिक रूप से शायद संभव नहीं है
- कर्मचारियों की सापेक्षिक वंचना की भावना कंपनी को कम उत्पादक बना देगी
- इससे कंपनी की भावी साख कम हो सकती है

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मेरी कार्यवाही

(i) कंपनी के वित्तीय स्थिति को सुधारने व लाभप्रदता सुनिश्चित करने के लिए अदक्ष, अवांछनीय कर्मचारियों को उचित कारण देते हुए निकाल दिया जाएगा।

(ii) शेष कर्मचारियों को विश्वास में लिया जाएगा कि केवल वही कर्मचारी निष्कासित होगा जो काम नहीं करेगा।

(iii) इसके अलावा, HR सिस्टम में कार्मिकों की उत्पादकता को मॉनीटर किया जाएगा सिंगल प्लेटफॉर्म पर।

(iv) निवेशकों को अधिक निवेश करने के लिए उचित कर्मचारी छंटनी प्रक्रिया को प्रस्तुत किया जाएगा।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस कार्यवाही का कारण

→ उपभोक्ताओं को निर्बाधित सेवाएँ देने के लिए वित्तीय मजबूती आवश्यक थी

→ निवेशकों के हितों पर ध्यान देना नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस के भी अनुकूल है

→ निवेशक छंटनी के बाद अधिक निवेश करेंगे जिससे कंपनी की स्थिति में सुधार होगा।

→ कंपनी में कर्मचारियों की दक्षता में वृद्धि होगी।

अतः उपभोक्ता, निवेशकों सहित सभी हितधारकों का संरक्षण ही मेरा नैतिक कर्त्तव्य है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. **(20)**

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

शरणार्थी वस्तुतः संघर्ष, प्रताड़ना, हिंसा का शिकार व्यक्ति होता है जो अपनी जान बचाने के लिए अन्य देशों में प्रवेश करता है

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शरणार्थियों के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दे :-

(i) शरणार्थी वस्तुतः पहले से ही पीड़ित है वहीं उसे शरण देना हमारी मानवता के कल्याण के लिए सर्वोपरि है अन्यथा यह मानवाधिकारों को चुनौती देना है जो कि मंडेला के अनुसार हिंसक हो सकता है।

(ii) मानवाधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा पत्र 1940 भी शरणार्थियों को मानवता के नाम पर शरण देने की वकालत उनके अधिकारों के संरक्षण की बात करता है।

(iii) शरणार्थियों के संबंध में 'चयनित रणनीति' अपनाना वास्तव में मूल अधिकारों का उल्लंघन है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) शरणार्थियों की सुरक्षा संबंधी चिंता के आधार पर अपने हाल पर छोड़ देना गांधी जी के अनुसार मानवताविहीन शासन का सूचक है।

(v) अपने देश के संसाधनों को केवल अपने नागरिकों तक सीमित रखना भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की नीति के अनुसार विश्व स्तर में अनैतिक है।

(vi) शरणार्थियों में बच्चे, गर्भवती माताएँ, लड़कियाँ, वृद्ध आदि की पीड़ा को न समझना देश में सहानुभूति, करुणा व समानुभूति की कमी को दर्शाता है।

➢ विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के रूप में भारत में शरणार्थियों के आगमन पर सुझाव :-

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) भारत हमेशा से वसुधैव कुटुम्बकम्, अतिथि देवो भव:, मानवता पर बल देता रहा है इसी परिप्रेक्ष्य में भारत को अपनी क्षमतानुसार शरणार्थियों को शरण देने के लिए रणनीतिक स्तर पर प्रयास करने चाहिए।

(b) भारत शरणार्थियों के लिए सीमावर्ती बंजर भूमि पर अस्थायी घर, कैंप, तम्बू आदि के आधार पर मानवता की रक्षा करने के लिए तत्पर हो।

(c) अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से - पुरिफल रोबोटिक्स से शरणार्थियों की संख्या के अनुसार खाद्यान्न उपलब्ध करवाएँ

(d) साथ ही मानवता के लिए भारत अपने प्रशासन की सक्रियता से स्वास्थ्य विशेषतः वृद्ध, गर्भवती महिलाओं के लिए उपलब्ध कराएँ

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसके साथ भारत

(i) खुफिया एजेंसी के माध्यम से शरणार्थियों में आतंकी तत्वों के प्रवेश को रोके।

(ii) भारत कूटनीतिक स्तर पर विकसित देशों को मानवता का परिचय देने के लिए अनुरोध कर सकता है।

(iii) भारत - NGO, UN-FAO - विश्व खाद्य कार्यक्रम के साथ सहयोग कर सहयोग को बहुआयामी बनाये।

अतः मानवता हमेशा साध्य है जिसे हमें हमेशा सर्वोपरि मानकर उसकी गरिमा को बनाये रखने का प्रयास करना चाहिए जैसा गांधी, बुद्ध, कांट ने भी कहा है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. **(20)**

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत प्रकरण में लैंगिक अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर विचार-विमर्श के दौरान उपजे विवाद को सुलझाने के लिए एक समिति के अध्यक्ष के रूप में मुझे चुना गया है।

ब | प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे |

(i) लैंगिक अल्पसंख्यकों की मानवीय गरिमा को ठेस पहुँचाने की कोशिश एसोसिएशन के अनुसार अन्य पैनल ने की है।

(ii) इस एसोसिएशन के आरोप में सत्यता की जाँच के अभाव में पैनलिस्ट को दोषी मानना अनैतिक, विधि विरुद्ध है।

(iii) लैंगिक अल्पसंख्यकों के प्रति पर्याप्त सहानुभूति, संवेदना होना सभ्य समाज

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की पहचान है।

(iv) लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों को गंभीर रूप से न लेना मानवता के विरुद्ध है।

(v) विश्वविद्यालय स्तरीय पैनल में लैंगिक अल्पसंख्यकों के प्रति अनैतिक आचरण न्यायसंगत नहीं है जो शिक्षा प्रणाली को भी प्रभावित कर सकता है।

(v) वाक् अभिव्यक्ति के अधिकार पर युक्तियुक्त प्रतिबंधों में किस प्रकार के प्रतिबंध शामिल हो।

मेरे कदम

एक समिति का अध्यक्ष होने के नाते मैं पेनलिस्ट व एसोसिएशन के मध्य विवाद को निम्न चरणों में सुलझाने का प्रयास करूँगा -

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) सर्वप्रथम, पैनलिस्ट के सदस्यों व लैंगिक अल्पसंख्यकों के एक्टीविस्टस के मध्य शांतिपूर्ण वार्ता आयोजित की जाएगी।

(ii) इस वार्ता में कमीटी के सदस्य व अध्यक्ष के रूप में दोनों पक्षों की बातों, तर्कों को ध्यान से समझने का प्रयास करूँगा।

(iii) दोनों पक्षों के विचारों को नोट किए जाने बाद सदस्यों के साथ हमें उचित निर्णय तक पहुँचूंगा।

(iv) यदि निर्णय में पैनलिस्ट दोषी पाया जाता है तो उसे पब्लिक में इस कृत्य के लिए माफी माँगने के लिए कहा जाएगा।

(v) यदि निर्दोष पाया जाता है तो एक्टीविस्ट

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को झूठे आरोप लगाने व पैनलिस्ट की मानहानि करने के लिए माफी मांगने के लिए कहा जाएगा।

(vi) अन्तत: दोनों पक्षों में विवाद को खत्म करने के लिए समिति के रूप में लिखित निष्कर्ष कुलपति महोदय को सौंपूंगा।

(vii) इन निष्कर्षों के आधार उम्मीद है कि दोनों पक्षों में शांति स्थापित होगी।

अत: मानवीय गरिमा को चुनौती देने वाले कृत्य की निंदा होनी ही चाहिए ताकि प्रत्येक व्यक्ति संविधान सम्मत गरिमापूर्ण जीवन जी सके।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

VisionIAS

प्रस्तुत केस स्टडी खेल में स्पोर्टमैनशिप की नैतिक भावना के बजाय गेममैनशीप की अनैतिक धारणा को उजागर करती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ब) इस परिस्थिति मेरे पास उपलब्ध विकल्प

(i) मैं यथास्थितिवादी बना रहूँ और अन्य खिलाड़ियों को न रोकूँ।

(ii) मैं भी प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाईयों का सेवन करूँ और प्रदर्शन क्षमता में सुधार करूँ।

(iii) मैं कोच व खिलाड़ियों को एक जगह पर बुलाकर इसे रोकने की सिफारिश करूँ।

(iv) मैं स्वयं को खेल से बाहर कर दूँ।

(v) मैं तुरंत राष्ट्र के खेल प्राधिकरण से संपर्क कर भारतीय खिलाड़ियों की शिकायत करूँ।

मेरी कार्रवाई

(a) मैं सर्वप्रथम कोच व खिलाड़ियों

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

से व्यापक स्तर पर इसके दुष्परिणामों के बारे में बात करूँगा।

(b) यदि खिलाड़ी व कोच इस बात पर सहमत होते है कि ऐसी दवाईयों का प्रयोग अनैतिक है एवं डोपिंग टेस्ट में भारत की प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है तो मेरे लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

(c) अन्यथा मैं ऐसी अनैतिक व गेमबेनाशीप की धारणा का समर्थन नहीं करूँगा व खुद को खेल से बाहर कर लूँगा।

(d) इससे कम से कम मैं मेरी आत्मा का पतन होने से रोक सकूँगा।

(e) यह गांधीवादी सिद्धांतो के भी अनुरूप है क्योंकि एक गलती अन्य गलतियों के लिए भी प्रेरित कर सकती है

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रतिस्पर्धी खेलों में पेशी दवाओं के प्रयोग के कारण :-

1. उच्च प्रदर्शन करने का अनैतिक दबाव
2. हर हाल में जीतने की भावना।
3. वित्तीय लाभ, मेडल, इनाम राशी व सरकारी सेवा मिलने का।
4. अनैतिक प्रथाओं को स्वीकृति दिए जाने व कोच स्तर पर भी समर्थन मिलने का कारण।
5. सख्त जाँच प्रथाओं का अभाव
6. राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर Sportmanship को बढावा न दिया जाना।
7. खेलों में बढती अनैतिकता।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस प्रथा को कम करने के लिए

1. WADA, NADA के स्तर पर सख्त नियमों की पालना हो
2. खिलाड़ियों पर अनैतिक, अप्रतिस्पर्धी प्रसार कम किया जाये
3. खिलाड़ियों में नैतिकता का समावेश हो
4. खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर खेल को खेल की भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया जाये
5. प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं का प्रयोग करने वाले खिलाड़ी को आजीवन प्रतिबंधित कर दिया जाये
6. राष्ट्रों को खेल में नैतिक अवसंरचना विकसित करने के लिए प्रयास करने चाहिये।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. **(20)**

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत प्रकरण सत्यनिष्ठा, नैतिक उत्तरदायित्व, कर्मठता के बरक्स पक्षपात, निर्दोष को सजा देने के द्वन्द्व को चित्रित करता है।

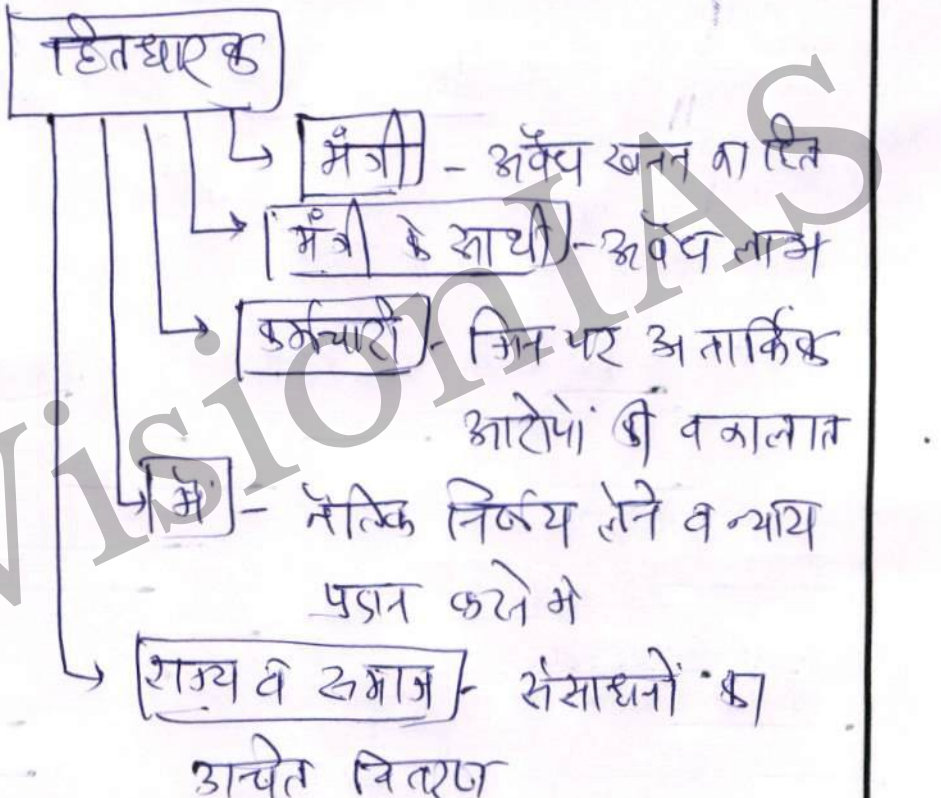

नैतिक मुद्दे

(i) कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाना कितना नैतिक है

(ii) मंत्री के निर्देश पर अनैतिक कृत्य

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

को दबाना क्या मेरे पदीय कर्त्तव्यों के अनुरूप है?

(iii) क्या राजनीतिक प्रभाव में अवैध कार्यों को होने देना चाहिए।

(iv) क्या मेरा कर्त्तव्य विधि का शासन स्थापित करना नहीं है

(v) क्या मैं अपने कॅरियर की परवाह किए बिना राजनेताओं से दुश्मनी ले लूँ

(vi) क्या जनता के कल्याण के बजाय केवल राजनेताओं का कल्याण सिविल सेवक का दायित्व है?

मेरे पास उपलब्ध विकल्प

1. मैं मंत्री का आदेश मान लूँ

लाभ
→ मेरा कॅरियर सुरक्षित रहेगा
→ मेरा परिवार सुरक्षित रहेगा
→ आने वाले चुनावों में सत्ताधारी दल के जीतने पर मंत्री की सहायता से अच्छा प्रमोशन मिलेगा।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दोष → निर्दोषों को फंसाना प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध है

→ कर्मचारियों का मेरे ऊपर से विश्वास उठ जाएगा

→ यह प्रशासनिक व संवैधानिक नैतिकता के भी विरुद्ध है

विकल्प (2) में मंत्री को लिखित में मजबूती के लिए कहूँ कि अवैध कार्य कर्मचारियों की मिलीभगत का परिणाम है

बेशक! ऐसा मंत्री सहयोग नहीं करेंगे।

विकल्प 3 मैं निष्पक्ष जाँच के लिए प्रयास करूँ और मंत्री तथा उनके सहयोगियों के भ्रष्टाचार को उजागर करूँ

लाभ → इससे अवैध खनन कर्ताओं को सजा मिलेगी

→ मेरी आत्मा का पतन नहीं होगा

→ आंतरिक द्वन्द्व से भी बच सकूँगा।

दोष - मेरी नौकरी पर कई आघात होंगे।

VisionIAS

VISION IAS™
Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मेरी कार्रवाई

मैं विकल्प-3 को वस्तुनिष्ठता, कर्मठता, साहस, सत्यनिष्ठा, प्रतिबद्धता, न्यायपरकता के साथ संपादित करूँगा।

समर्थन में कारण

① इससे संवैधानिक, वैधानिक नैतिकता का संरक्षण होगा।
② प्रशासनिक नैतिकता में वृद्धि होगी
③ निर्दोष लोगों को दण्ड नहीं मिलेगा।
④ प्राकृतिक न्याय को बढ़ावा मिलेगा
⑤ मैं मेरे भीतर की अन्तरात्मा को भी खुश कर सकूँगा।
⑥ मैं एक सत्यनिष्ठ, ईमानदार लोक सेवक के रूप में मेरी छवि निर्मित कर सकूँगा।
⑦ मैं 'विधि के शासन' की रक्षा कर सकूँगा।

अत: विधिक दायित्वशीलता, प्रशासनिक पदीय कर्तव्यों का निर्वहन ही मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

VisionIAS

VisionIAS